परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, मुंबई

ई - वृत्तपत्र

अप्रैल - जून २०२५ खंड-३६ / अंक-२

मुख्य बातें

अध्यक्ष की कलम से ०२

- एईआरबी की बोर्ड बैठक ०४
- एईआरबी ने भारत के पहले ७०० मेगावाट दाबित भारी जल रिएक्टर के संचालन हेतु लाइसेंस प्रदान किया ०४
- एईआरबी ने रैपकोफ सुविधा के विस्तार के लिए सहमति प्रदान की ०५
- एईआरबी ने माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (एमबीआरएपीपी १ से ४) के स्थल निर्धारण हेतु सहमति जारी की ०५
- एईआरबी ने आइसोमेड सुविधा के संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया ०६
- परमाणु, औद्योगिक और विकिरण सुविधाओं का नियामक निरीक्षण ०६
- राज्य स्तरीय विकिरण संरक्षा निदेशालय (डीआरएस) को प्राधिकरणदेना बंद करना ०७
- एईआरबी ने तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्राप्त करने के लिए बीएआरसी के साथ समझौते का नवीनीकरण किया ०७
- ट्रिनिटी और प्रभाविनी के लिए उपयोगकर्ता डेवलपर की बैठक ०८
- हितधारक सहभागिता कार्यक्रम ०९
- उत्तरी भारत में परमाणु चिकित्सा विकिरण सुविधाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम ०९
- पद्म विभूषण स्वर्गीय डॉ.एम. आर. श्रीनिवासन को श्रद्धांजलि ११
- हिंदी कार्यक्रम और गतिविधियाँ १२
- मानव संसाधन प्रबंधन १३

अध्यक्ष महोदय की कलम से

"मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि प.ऊ.नि.प. बोर्ड की उचित स्वीकृति के साथ, व्यापक बहु-स्तरीय संरक्षा समीक्षा और आकलन के बाद, हाल ही में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KAPS ३ और ४) के नियमित संचालन हेतु लाइसेंस जारी किया गया है।"

प्रिय पाठकों,

सभी को नमस्कार!

२०२५ की दूसरी तिमाही के समापन के अवसर पर, इस महत्वपूर्ण मंच, प.ऊ.नि.प. वृत्तपत्र के माध्यम से आपको संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अवधि में नियामक निगरानी को सुदृढ़ करने, संरक्षा संस्कृति को बढ़ाने और हमारे परिचालन ढाँचे के आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि प.ऊ.नि.प. बोर्ड की उचित स्वीकृति के साथ, व्यापक बहु-स्तरीय संरक्षा समीक्षा और आकलन के बाद, हाल ही में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (KAPS ३ और ४) के नियमित संचालन हेतु लाइसेंस जारी किया गया है। ये ७००MWe स्वदेशी दवित भारी पानी रिएक्टर (PHWR) इकाइयाँ न केवल भारत में बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाएँगी, बल्कि भारत के 'नेट ज़ीरो' लक्ष्य तक पहुँचने के संकल्प में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

एईआरबी ने १३ मई, २०२५ को रावतभट्टा स्थित रैपकॉफ सुविधा के विस्तार हेतु सहमति जारी की। रैपकॉफ सुविधा के विस्तार का उद्देश्य स्वदेशी ७०० मेगावाट के दाबित जलविद्युत संयंत्रों से घटकों के संचालन हेतु अवसंरचना का विस्तार करके विकिरण स्रोत निर्माण क्षमताओं को बढ़ाना है।

एईआरबी ने ब्रिट, मुंबई स्थित भारत की पहली श्रेणी-II गामा विकिरण प्रसंस्करण सुविधा के ड़िजाइन संशोधन और कमीशनिंग संरक्षा समीक्षाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, इसके बड़े उन्नयन के बाद और नियमित संचालन के लिए लाइसेंस जारी कर दिया है, जो संरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संरक्षा के प्रति एईआरबी की प्रतिबद्धता अटूट है क्योंकि हम लाइसेंस प्राप्त सुविधाओं और गतिविधियों पर नियामक निगरानी बनाए रखते हैं और विभिन्न परमाणु एवं विकिरण सुविधाओं का नियामक निरीक्षण करते हैं। हमारे स्थानीय साइट पर्यवेक्षक रावतभट्टा, कलपक्कम, काकरापार और कुडनकुलम स्थित चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर निरंतर नियामक निगरानी प्रदान करते हैं।

एईआरबी विभिन्न आयोजनों, जैसे हितधारक सहभागिता बैठकें और महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाओं, के माध्यम से संरक्षा को बढ़ावा देना जारी रखता है। ये पहल हितधारकों के बीच खुले संवाद और ज्ञान साझा करने का अवसर प्रदान करती हैं। नई दिल्ली स्थित एईआरबी के उत्तरी क्षेत्र के नियामक केंद्र (एनआरआरसी) में 'परमाणु चिकित्सा विकिरण सुविधाओं' पर एक चर्चा बैठक आयोजित की गई। बैठक नियामक मार्गदर्शन को

सुदृढ़ करने और नए नियम विकसित करने के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई, संरक्षा के प्रति हमारे हितधारकों की प्रतिबद्धता का प्रमाण थे।

एईआरबी ने विकासाधीन विकिरण अनुप्रयोग-विशिष्ट संरक्षा मार्गदर्शिकाओं पर हितधार्को के सुझाव एक्त्रित करने के लिए उनके साथ सहभागिता बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित करने की पहल की है। हितधार्को के लिये संरक्षा मार्गदर्शिका के विषय ''अनुसंधान और शिक्षा के लिए रेडियोधर्मी स्रोत" पर हितधारकों के लिए पंद्रहवाँ इंटरैक्टिव कार्यक्रम ८ अप्रैल, २०२५ को एईआरबी, मुंबई में आयोजित किया गया। हितधारकों के सुझाव और प्रतिक्रियाएँ नोट की गईं। एईआरबी ने विकासाधीन विकिरण अनुप्रयोग-विशिष्ट संरक्षा मार्गदर्शिकाओं पर हितधार्को के सुझाव एक्त्रित करने के लिए उनके साथ सहभागिता बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित करने की पहल की है। हितधार्को के लिये संरक्षा मार्गदर्शिका के विषय ठअनुसंधान और शिक्षा के लिए रेडियोधर्मी स्रोतठ पर हितधारकों के लिए पंद्रहवाँ इंटरैक्टिव कार्यक्रम ८ अप्रैल, २०२५ को एईआरबी, मुंबई में आयोजित किया गया। हितधारकों के सुझाव और प्रतिक्रियाएँ नोट की गईं।

एईआरबी को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई से निरंतर तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्राप्त होती रही है। यह परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एक प्रमुख बहु-विषयक अनुसंधान एवं विकास संगठन है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में कार्यरत है। एईआरबी ने निरंतर और सतत सहायता के लिए बीएआरसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो संरक्षा और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक आश्वस्त करने वाला संकेत है। २७ जून, २०२५ को इसकी पुन: पुष्टि की गई।

नब्बे के दशक के उत्तरार्ध में, एईआरबी ने चिकित्सा निदान एक्स-रे सुविधाओं के पर्याप्त नियामक कवरेज के लिए राज्य स्तरीय विकिरण संरक्षा निदेशालय (डीआरएस) की स्थापना की पहल का समर्थन किया। डीआरएस की स्थापना के लिए पहला प्राधिकरण मार्च १९९९ में केरल सरकार को जारी किया गया था। इसके बाद, एईआरबी ने कुछ अन्य राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और डीआरएस के संचालन के लिए प्राधिकरण जारी किया। वर्तमान में, राज्य सरकारों के साथ सभी समझौता ज्ञापन समाप्त हो चुके हैं, और वैध प्राधिकरण के साथ कोई भी डीआरएस कार्यरत नहीं है। अनुभव से प्राप्त प्रतिक्रिया, चिकित्सा निदान एक्स-रे सुविधाओं पर नियामक नियंत्रण को मजबूत करने की दिशा में एईआरबी द्वारा विभिन्न विकासों और पहलों को देखते हुए, एईआरबी ने राज्य स्तरीय डीआरएस को प्राधिकरण जारी करने की प्रथा को बंद करने का निर्णय लिया है।

दुखद रूप से, हमने २० मई, २०२५ को पद्म विभूषण डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन, एक प्रख्यात और प्रतिष्ठित परमाणु वैज्ञानिक को खो दिया। एईआरबी डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जो परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार, प.ऊ.वि. के सचिव (१९८७-१९९०) थे।

संरक्षा और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में हमारे हितधारकों के निरंतर समर्थन के लिए हम आभारी हैं। हम सभी से सतर्क रहने और संरक्षा को एक मूलभूत मूल्य के रूप में बनाए रखने का आग्रह करते हैं।

आपके सहयोग और साझेदारी के लिए धन्यवाद। आइए, हम परमाणु और विकिरण संरक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में मिलकर काम करते रहें।

हार्दिक शुभकामनाएं,

दिनेश शुक्ला

डॉ. दिनेश कुमार शुक्ला
अध्यक्ष, एईआरबी

१.० एईआरबी की बोर्ड बैठक

एईआरबी की १५२वीं बोर्ड बैठक १९ जून, २०२५ को एईआरबी, मुंबई में आयोजित की गई। पिछली तिमाही के दौरान एईआरबी द्वारा की गई महत्वपूर्ण गतिविधियों के मुख्य बिंदु और नियमित प्रतिष्ठानों की संरक्षा स्थिति बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गई। बोर्ड ने देश के पहले ७०० मेगावाट क्षमता वाले स्वदेशी दाबित भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) - काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (केएपीएस-३ और ४) की इकाई ३ और ४ के नियमित संचालन हेतु आवेदन पर भी विचार किया।

एईआरबी बोर्ड की बैठक

२.० एईआरबी ने भारत के पहले ७०० मेगावाट दबित भारी पानी रिएक्टर के संचालन के लिएलाइसेंस प्रदान किया

एईआरबी ने देश के पहले ७०० मेगावाट क्षमता वाले स्वदेशी दाबित भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) - काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र (केएपीएस-३ और ४) की इकाई ३ और ४ के नियमित संचालन के लिए ड़िजाइन और कमीशनिंग संरक्षा समीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और लाइसेंस जारी कर दिया है। केएपीएस-३ और ४ अपनी तरह का पहला रिएक्टर है, जिसमें एक व्यापक और कठोर बहु-स्तरीय संरक्षा समीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया शामिल है, जो परमाणु संरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। लाइसेंस औपचारिक रूप से एईआरबी के अध्यक्ष डॉ. डी. के. शुक्ला द्वारा भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बी. सी. पाठक को सौंपा गया।

डॉ. डी.के. शुक्ला, अध्यक्ष, एईआरबी (बाएं) औपचारिक रूप से एनपीसीआईएल के सीएमडी श्री बी.सी. पाठक को केएपीएस ३ एवं ४ के संचालन का लाइसेंस सौंपते हुए (दाएं)

३.० एईआरबी ने रैपकोफ सुविधा के विस्तार के लिए सहमति प्रदान की

१३ मई, २०२५ को, एईआरबी ने आवेदन की विस्तृत समीक्षा और मूल्यांकन के बाद, रावतभट्टा स्थित रैपकॉफ सुविधा के विस्तार हेतु सहमति जारी की। रैपकॉफ सुविधा के विस्तार का उद्देश्य स्वदेशी ७०० मेगावाट क्षमता वाले दाबित जलविद्युत संयंत्रों से घटकों के संचालन हेतु अवसंरचना का विस्तार करके विकिरण स्रोत निर्माण क्षमताओं को बढ़ाना है।

४.० एईआरबी ने माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (एमबीआरएपी - १ से ४) के स्थान निर्धारण के लिए सहमति जारी की

भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम ने माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना में ७०० मेगावाट क्षमता वाले दाबित पानी के रिएक्टरों की चार इकाइयों के स्थान निर्धारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) में संतोषजनक बहु-स्तरीय समीक्षा के बाद, एईआरबी द्वारा स्थान निर्धारण हेतु सहमति प्रदान की गई।

५.० एईआरबी ने आइसोमेड सुविधा के संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया

देश का पहला और एकमात्र श्रेणी-|| गामा विकिरणक आइसेमेड, जिसे १९७४ में भा.प.अ.के. -BRIT साउथ साइट, ट्रॉम्बे में चिकित्सा उत्पादों के विकिरण प्रसंस्करण (स्टरलाइज़ेशन) के लिए स्थापित किया गया था जिसे २०१८ में एक प्रमुख ड़िजाइन संशोधन और संरक्षा प्रणालियों का उन्नयन के लिए गया था। उन्नयन के पूरा होने तथां एक विस्तृत संरक्षा समीक्षा एव निरीक्षण के बाद, प.ऊ.नि.प. ने सुविधा के नियमित संचालन के लिए लाइसेंस जारी किया।

६.० एईआरबी ने एक्ट्रेक, नवी मुंबई को सुपर-हाई डोज I-१३१ थेरेपी के लिए अनुमति दी: भारत में पहली बार

एईआरबी को टाटा मेमोरियल सेंटर, नवी मुंबई की इकाई एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एक्ट्रेक) से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ, जिसमें १६ साल के एक मरीज को आई-१३१ मेटाआयोडोबेंजिलगुआनिडाइन (एमआईबीजी) की (८०० एमसीआई) सुपर-हाई खुराक देने की बात कही गई थी। एईआरबी ने आई-१३१ की (३०० एमसीआई/सप्ताह) खुराक के लिए मूल रूप से स्वीकृत आइसोलेशन वार्ड की संरक्षा आवश्यकताओं का पुन: मूल्यांकन किया। सुपर हाई खुराक प्रक्रिया के लिए विकिरण संरक्षा पहलुओं और प्रस्तावित अतिरिक्त संरक्षा उपायों की विस्तृत समीक्षा और वार्ड के आसपास के क्षेत्रों की एक विकिरण सर्वेक्षण रिपोर्ट और एक वचनबद्धता कि उपचार के दौरान आस-पास के कमरों को खाली रखा जाएगा, जमा करने के बाद; एईआरबी ने विकिरण संरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए प्रक्रिया को मंजूरी दे दी।

७.० परमाणु, औद्योगिक और विकिरण सुविधाओं का नियामक निरीक्षण

लाइसेंस प्राप्त सुविधाओं और गतिविधियों पर नियामक निगरानी के एक भाग के रूप में, एईआरबी ने देश में विभिन्न परमाणु और प.ऊ.वि. औद्योगिक सुविधाओं में ३२ निरीक्षण किए। इन निरीक्षणों के दौरान इन सुविधाओं में कोई भी संरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण विचलन नहीं देखा गया। रावतभाटा, कलपक्कम, काकरापाड़ा और कुडनकुलम में चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर तैनात एईआरबी निवासी साइट पर्यवेक्षकों ने साइट गतिविधियों का निरीक्षण करना जारी रखा और एईआरबी को इनपुट प्रदान किए। एईआरबी ने देश में विकिरण प्रथाओं के १११ अघोषित नियामक निरीक्षण किए। इन निरीक्षणों के दौरान मध्यम संरक्षा महत्व के नौ विचलन देखे गए। इसके अलावा, इस तिमाही में एईआरबी द्वारा चिकित्सा पद्धति के लिए विकिरण उत्पादन उपकरणों के प्रकार अनुमोदन परीक्षण, मेडिकल साइक्लोट्रॉन और गामा विकिरण प्रसंस्करण सुविधाओं के पूर्व-लाइसेंसिंग निरीक्षण से संबंधित १७ विशेष निरीक्षण भी किए गए।

८.० राज्य स्तरीय विकिरण संरक्षा निदेशालय (डीआरएस) के प्राधिकरण का समापन

नब्बे के दशक के उत्तरार्ध में, एईआरबी ने चिकित्सा निदान एक्स-रे सुविधाओं के प्रभावी विनियामक कवरेज के लिए राज्य स्तरीय विकिरण संरक्षा निदेशालय (डीआरएस) की स्थापना की पहल का समर्थन किया। डीआरएस की स्थापना के लिए पहला प्राधिकरण मार्च १९९९ में केरल सरकार को जारी किया गया था। क्रमिक रूप से, एईआरबी ने कुछ अन्य राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए और डीआरएस के कामकाज के लिए प्राधिकरण जारी किया। वर्तमान में, राज्य सरकारों के साथ सभी समझौता ज्ञापन समाप्त हो चुके हैं और वैध प्राधिकरण के साथ कोई डीआरएस कार्यात्मक नहीं है। अनुभव की प्रतिक्रिया, विभिन्न विकास और चिकित्सा निदान एक्स-रे सुविधाओं पर नियामक निरीक्षण को मजबूत करने की दिशा में एईआरबी द्वारा अन्य पहलों के मद्देनजर, एईआरबी ने राज्य स्तरीय डीआरएस को प्राधिकरण जारी करने की प्रथा को बंद करने का निर्णय लिया है।

९.० एईआरबी ने तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्राप्त करने के लिए बीएआरसी के साथ समझौते का नवीनीकरण किया

एईआरबी देश में परमाणु और विकिरण संरक्षा के नियमन के क्षेत्र में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) से निरंतर तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्राप्त कर रहा है। बीएआरसी, परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एक प्रमुख बहु-विषयक अनुसंधान एवं विकास संगठन है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास में संलग्न है। मौजूदा तंत्र को औपचारिक रूप देने की दिशा में एक कदम के रूप में, एईआरबी ने निरंतर और सतत समर्थन के लिए बीएआरसी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। २७ जून, २०२५ को बीएआरसी के निदेशक श्री विवेक भसीन और एईआरबी के अध्यक्ष डॉ. डी.के. शुक्ला द्वारा बीएआरसी और एईआरबी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित एक औपचारिक समझौते के माध्यम से इसकी पुष्टि की गई।

तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्राप्त करने के लिएभा.प.अ.के. के साथ समझौता

१०.० ट्रिनिटी और प्रभाविनी के लिए उपयोगकर्ता डेवलपर की बैठक

रिएक्टर डिजाइन एवं विकास समूह, भा.प.अ.के. और प.ऊ.नि.प. ने संयुक्त रूप से TRINITIEE और PRABHAVINI के लिए २३-२४ जून, २०२५ के दौरान मुंबई के प.ऊ.नि.प. के नियमक भवन में दो दिवसीय उपयोगकर्ता-डेवलपर्स मीट का आयोजन किया। TRINITIEE (एक संभाव्य संरक्षा आकलन उपकरण) और PRABHAVINI (एक नियतात्मक संरक्षा विश्लेषण उपकरण) को परमाणु क्षेत्र में संरक्षा विश्लेषण क्षमताओं को मजबूत करने के लिए भा.प.अ.के. के नेतृत्व में स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। मीट का उद्घाटन प.ऊ.नि.प. के अध्यक्ष ने किया और इसमें प.ऊ.नि.प. , भा.प.अ.के. , IGCAR, NPCIL और शिक्षाविदों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर, TRINITIEE v1.0 और PRABHAVINI v5.0 को औपचारिक रूप से जारी किया गया।

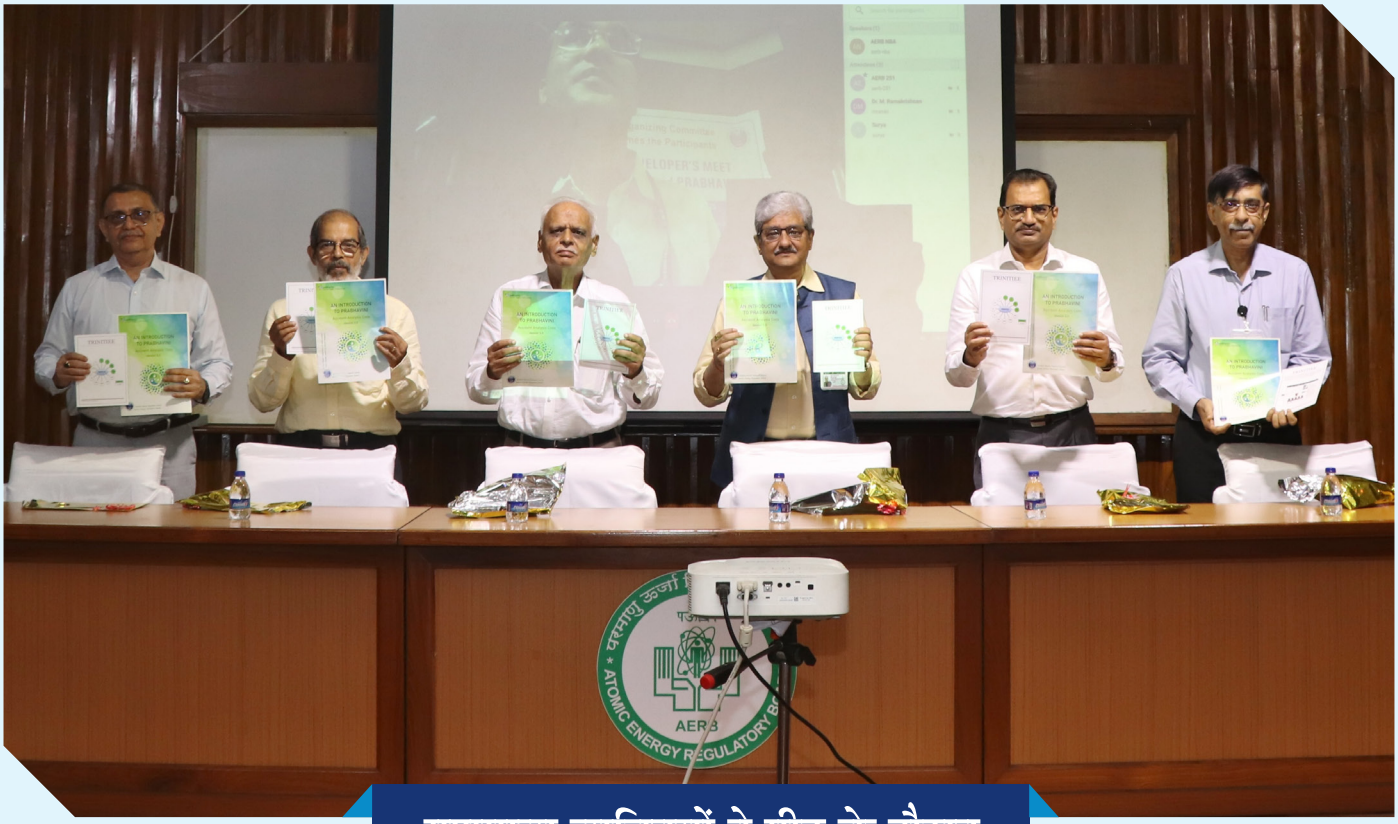

गणमान्य व्यक्तियों ने मीट के दौरान TRINITIEE v1.0 और PRABHAVINI v5.0 का विमोचन किया

११.० हितधारक सहभागिता कार्यक्रम

एईआरबी ने विकिरण अनुप्रयोग-विशिष्ट संरक्षा मार्गदर्शिकाओं के विकास पर हितधारक सहभागिता बैठकों की श्रृंखला आयोजित करने की पहल की है। ठअनुसंधान एवं शिक्षा के लिए रेडियोधर्मी स्रोतठ अभ्यास के हितधारकों के लिए यह कार्यक्रम ८ अप्रैल, २०२५ को एईआरबी, मुंबई में आयोजित किया गया। एईआरबी के अध्यक्ष ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और संरक्षा मार्गदर्शिका के विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को विनियमों के विकास में हितधारकों की राय लेने के एईआरबी के दृष्टिकोण से अवगत कराया। हितधारकों के सुझावों और प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दिया गया।

डॉ. डी. के. शुक्ला, अध्यक्ष, एईआरबी, हितधारकों के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

१२.० उत्तरी भारत में परमाणु चिकित्सा विकिरण सुविधाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम

संरक्षा संवर्धन और लाइसेंसधारी जागरूकता के एक भाग के रूप में, एईआरबी ने उत्तर भारत में परमाणु चिकित्सा (एनएम) सुविधाओं के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। ''एनएम सुविधाओं की विकिरण संरक्षा और नियामक पहलू" विषय पर यह कार्यक्रम ३० मई, २०२५को उत्तरी क्षेत्रीय नियामक केंद्र (एनआरआरसी) के माध्यम से एनएम सुविधाओं के नियोक्ता/लाइसेंसधारियों और रेडियोलॉजिकलसंरक्षा अधिकारियों (आरएसओ) के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नियोक्ता/लाइसेंसधारियों/रेडियोलॉजिकल संरक्षा अधिकारियों को एनएम सुविधाओं में विकिरण स्रोतों के सुरक्षित संचालन हेतु उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाना था, जिससे संरक्षा सुनिश्चित हो सके। विभिन्न एनएम सुविधाओं से एनएम चिकित्सकों, आरएसओ और एनएम प्रौद्योगिकीविदों सहित लगभग १५० प्रतिभागियों ने पूरे दिन के कार्यक्रम में भाग लिया।

एनआरआरसी, दिल्ली में एनएम सुविधाओं के नियोक्ता/लाइसेंसधारी/आरएसओ के लिए जागरूकता कार्यक्रम की झलकियाँ

१३.० परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICNSNR-२०२५)

डॉ. डी. के. शुक्ला, अध्यक्ष, एईआरबी, ने ५-७ मई, २०२५ को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के भौतिकी विभाग में आयोजित परमाणु संरचना एवं परमाणु अभिक्रियाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएसएनआर-२०२५) में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और 'त्वरित परमाणु विकास - संरक्षा विनियमन एवं भविष्य की चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया।

'परमाणु संरचना और परमाणु प्रतिक्रियाएँ-२०२५' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियाँ

१४.० अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-२०२५

२१ जून, २०२५ को एईआरबी में विश्व योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय द्वारा अनुशंसित योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया। कर्मचारियों ने योग सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे कर्मचारियों में शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिला।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की झलकियाँ

१५.० पद्म विभूषण स्वर्गीय डॉ. को श्रद्धांजलि। एम. आर. श्रीनिवासन

पद्म विभूषण डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन, एक प्रख्यात और प्रतिष्ठित परमाणु वैज्ञानिक, २० मई, २०२५ को स्वर्गीय निवास के लिए प्रस्थान कर गए। एईआरबी ने डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन को अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की, जो परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भारत सरकार के प.ऊ.वि. के सचिव थे।

एईआरबी ने पद्म विभूषण डॉ. एम. आर. श्रीनिवासन को श्रद्धांजलि दी

१६.० हिंदी कार्यक्रम और गतिविधियाँ

हिंदी कार्यशाला

परमाणु ऊर्जा विभाग की पाँच इकाइयों की संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित संयुक्त हिंदी कार्यशाला के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के दो अधिकारियों को नामित किया गया। भारी पानी बोर्ड ने २२-२४ अप्रैल, २०२५ के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए तीन दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

परमाणु ऊर्जा विभाग की पाँच इकाइयों की संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित संयुक्त यूनिकोड कंप्यूटर कार्यशाला के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के तीन अधिकारियों को नामित किया गया। यह कार्यशाला विकिरण एवं समस्थानिक प्रौद्योगिकी बोर्ड, मुंबई द्वारा ११-१२ जून, २०२५ के दौरान आयोजित की गई।

हिंदी प्रशिक्षण

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के सभी कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से, बोर्ड हिंदी शिक्षण योजना के माध्यम से रोस्टर के अनुसार प्रति वर्ष हिंदी प्रशिक्षण प्रदान करता है।इस तिमाही में,

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के तीन अधिकारियों को प्रवीण पाठ्यक्रम के लिए और एक अधिकारी को हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया।

गृह पत्रिका 'नियमिका' का प्रकाशन

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद ने अपनी गृह पत्रिका 'नियमिका' का १०वाँ अंक प्रकाशित किया। नियामिका को ०५ जून, २०२५ को आयोजित एईआरबी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में एईआरबी के अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया।

एईआरबी के अध्यक्ष डॉ. डी.के. शुक्ला ने एईआरबी हिंदी पत्रिका 'नियमिका' का विमोचन किया

१७.० मानव संसाधन प्रबंधन

परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विस्तार और विकिरण सुविधाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, एईआरबी के कर्मचारियों की संख्या विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न माध्यमों से बढ़ाई जा रही है। निम्नलिखित अधिकारी नियुक्ति/स्थानांतरण/सेवानिवृत्ति/त्यागपत्र पर एईआरबी में शामिल हुए/छोड़े गए:

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	टिप्पणियाँ
१	श्री बी. पसुपति	सहायक कार्मिक अधिकारी (जी)	७ अप्रैल, २०२५	एनआरबी से स्थानांतरण पर एईआरबी में समान पद पर शामिल हुए
२	श्रीमती मीरा एम. साईगांवकर	सहायक लेखा अधिकारी	१५ मई, २०२५	पदोन्नति पर प.ऊ.वि. में स्थानांतरित
३	श्री अविनाश जे. गायकवाड़	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	३० जून, २०२५	सेवानिवृत्ति

एईआरबी निम्नलिखित कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता है जिन्होंने अतिरिक्त योग्यताएं अर्जित कीं और तिमाही के दौरान संबंधित संस्थानों द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री प्रदान की गई।

नाम	पदनाम	संस्थान का नाम	शोध शीर्षक
डॉ. एम. सेंथिलकुमार	वैज्ञानिक अधिकारी-एफ	अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई	नैदानिक अनुप्रयोगों में व्यावसायिक और रोगी विकिरण खुराक का विश्लेषण और अनुकूलन
डॉ स्मृति शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी-एफ	टीएमएच, एचबीएनआई, मुंबई	उच्च परिशुद्धता रेडियोथेरेपी के समतलीकरण फ़िल्टर मुक्त किरणों में गुणवत्ता लेखापरीक्षा
डॉ मेघराज सिंह	वैज्ञानिक अधिकारी-एफ	बीएआरसी, एचबीएनआई, मुंबई	गामा विकिरणक में विकिरणित उत्पाद में अवशोषित गामा खुराकके आकलन के लिए एक कम्प्यूटेशनल ढाँचे का विकास

प्रतिक्रिया

हम पाठकों और हितधारकों से प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं। यदि आपके कोई प्रश्न, सुझाव या टिप्पणियाँ हैं, तो कृपया उन्हें प.ऊ.नि.प. प्रतिक्रिया पोर्टल पर हमें भेजें। प.ऊ.नि.प. न्यूज़लेटर में प्रकाशित सामग्री का उचित आभार के साथ पुनर्मुद्रण या अनुवाद किया जा सकता है। प.ऊ.नि.प. ई-न्यूज़लेटर इस लिंक पर उपलब्ध है।
https://www.aerb.gov.in/english/publications /newsletter

प्रकाशितकर्ता

श्री ए.पी. गर्ग

निदेशक (आरए एंड ईआर)

संसाधन, प्रशासन एवं बाह्य संबंध निदेशालय

परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

नियामक भवन, अणुशक्तिनगर,

मुंबई-400094, महाराष्ट्र